अंक 32, अक्टूबर 2020

BLOG

Balmer Lawrie
Organisational Gazette

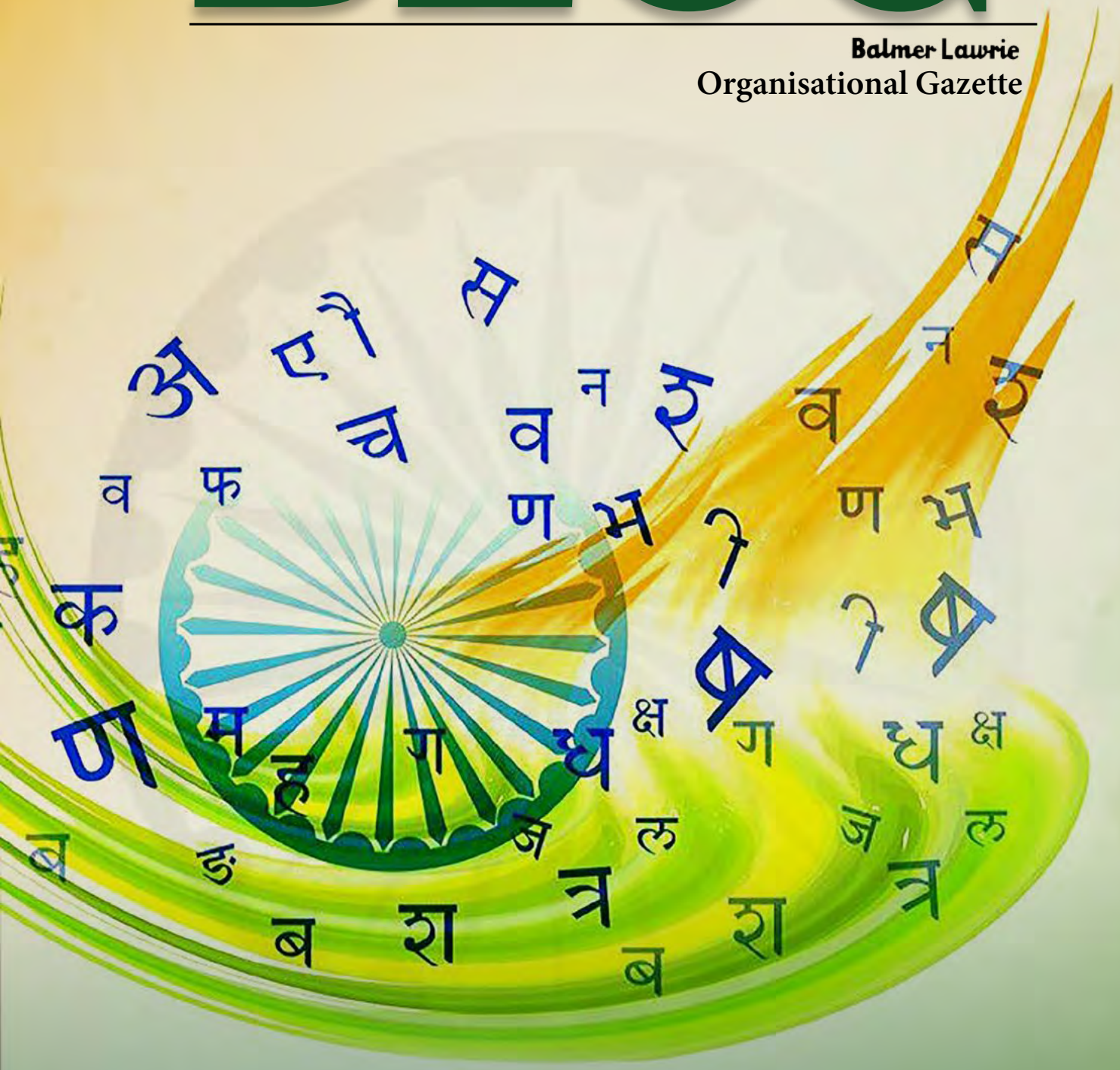

संपादकीय

हम प्रत्येक वर्ष बामर लॉरी ऑर्गेनाइजेशनल गजट (ब्लॉग), त्रैमासिक गृह पत्रिका के अक्टूबर अंक को हिंदी दिवस और कंपनी में आयोजित हिंदी पखवाड़ा समारोह को समर्पित करते हैं। इस इश्यू पर काम करते हुए हिंदी पर रोचक तथ्यों के बारे में हमारी याददाश्त को ताजा करना प्रथागत हो जाता है। हम सभी जानते हैं कि भारत की संविधान सभा द्वारा भारत गणराज्य की दो राजभाषाओं में से एक के रूप में हिंदी को अपनाने के उपलक्ष्य में 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता है। यह संभव हुआ व्यौहार राजेन्द्र सिंह, हजारी प्रसाद द्विवेदी, काका कलेलकर, मैथिली शरण गुप्त और सेठ गोविंद दास के प्रयासों और महत्वपूर्ण योगदान के कारण। 14 सितंबर 1949 को व्यौहार राजेन्द्र सिंह के 50वें जन्मदिन पर हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाया गया जो कि इन प्रयासों का परिणाम था। 26 जनवरी 1950 को लागू हुए भारत के संविधान ने इस फैसले की पुष्टि की थी। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों, सरकारी संगठनों और अन्य संस्थानों में राजभाषा के रूप में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए सितंबर माह में हिंदी पखवाड़ा समारोह का आयोजन किया जाता है।

आज हिंदी दुनिया की सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है। WorldAtlas.com में कहा गया है कि हिंदी भाषी लोगों की सबसे बड़ी संख्या भारत में है; लगभग 422 मिलियन भारतीय (40%) प्रथम या द्वितीय भाषा के रूप में हिंदी बोलते हैं। नेपाल में हिंदी भाषी लोगों का दूसरा सबसे बड़ा समूह है। लगभग आठ मिलियन नेपाली यह भाषा बोलते हैं, हालांकि 80,000 से भी कम देशज हैं। आश्चर्यजनक रूप से अमेरिका हिंदी भाषी लोगों के तीसरे सबसे बड़े समूह वाल स्थान है। अमेरिका में करीब 650, 000 लोग यह भाषा बोलते हैं जो इसे संयुक्त राज्य में 11वीं सबसे लोकप्रिय विदेशी भाषा बनाती है। मॉरीशस के एक तिहाई (450,000) लोग हिंदी भाषा बोलते हैं। एक वेबसाइट के अनुसार दुनिया के 176 विश्वविद्यालयों में हिंदी पढ़ाई जाती है जिसमें से 45 केवल अमेरिका में हैं। भारत से बाहर के देशों में हर रोज करीब 25 हिंदी पत्रिकाएं और अखबार प्रकाशित होते हैं। हिंदी उन सात भाषाओं में से एक है, जिनका इस्तेमाल वेब एड्रेस बनाने में किया जाता है। दिलचस्प बात यह है कि जनवरी 2020 में शुरू किए गए ऑक्सफोर्ड एडवांस्ड लर्नर्स डिक्शनरी के 10वें और नवीनतम संस्करण में 26 नए भारतीय अंग्रेजी शब्दों को शामिल किया गया है, जिसमें आधार, चावल, डब्बा, हड़ताल और शादी जैसे शब्द शामिल हैं।

माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि भाषा की सरलता, सहजता और शालीनता अभिव्यक्ति को सार्थकता प्रदान करती है। हिंदी ने इन पहलुओं को खूबसूरती से समाहित किया है। हिंदी निस्संदेह वह भाषा है जो विविधता वाले हमारे देश को एक साथ बांधती है। यह एक एकीकृत बल के रूप में कार्य करता है और जब शासकीय कार्यों में अच्छी तरह से उपयोग में लाया जाता है, तो यह प्रगति में सहायक होती है। सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम में होने के नाते हमें अपने शासकीय कार्य और संचार में हिंदी के उपयोग को बढ़ाने की दिशा में सक्रिय रूप से काम करना चाहिए। कंपनी का राजभाषा विभाग, जहाँ कहीं भी संभव हो, हमारे दिन-प्रतिदिन के संचार में हिंदी का उपयोग करने में हमारी मदद करता है। मैं इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय के हिंदी विभाग के सदस्यों - श्री शिव नाग कुमार चेरुकुपल्ली, वरिष्ठ प्रबन्धक [मा.सं & राजभाषा], श्री कौशिक प्रसाद, उप प्रबंधक [राजभाषा] और श्री गोपाल दास, कार्यपालक [राजभाषा], तथा पश्चिमी क्षेत्र के वरिष्ठ प्रबन्धक [राजभाषा & प्रशासन] श्रीमति ममता प्रसाद, उत्तरी क्षेत्र के श्री राघवेन्द्र कुमार शर्मा और दक्षिणी क्षेत्र के श्री महेंद्र दास जी को धन्यवाद दूँगी। आशा है कि आप इस अंक को पढ़ने का आनंद लेंगे। कृपया टैलंट अनलिमिटेड कॉलम के लिए अपने सुझाव, प्रतिक्रिया और योगदान mukhopadhyay.mohar@balmerlawrie.com पर भेजें।

नए वर्ष की आगाम शुभकामनाएं और आप और आपके परिवार के लिए शुभकामनाएं !

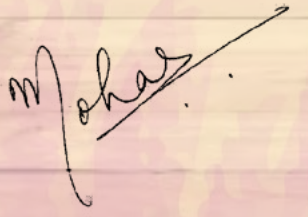

हिन्दी दिवस, 14 सितंबर 2020, के अवसर पर अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक का संदेश

सभी कर्मचारियों को हिंदी दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।

जिस देश के नागरिक अपनी भाषा में सोचें और लिखें, विश्व उस देश को सम्मान की दृष्टि से देखता है। भारत जैसे विशालतम और बहुभाषी राष्ट्र की चहूँमुखी विकास प्रक्रिया में हिंदी की भी एक अहम भूमिका रही है।

हिंदी दिवस एक ऐसा अवसर है, जिसके माध्यम से विश्वभर के हिंदी प्रेमियों को एक सूत्र में बांधा जा सकता है। परंतु हिंदी को सही सम्मान दिलाने के लिए हमें उससे प्रेम करना होगा। प्रत्येक दिन को हिंदी दिवस बनाना होगा ताकि हिंदी सिर्फ कहनेभर को भाषा न रह जाये, बल्कि हमें हिंदी को आगे बढ़ाने हेतु गर्व महसूस होना चाहिए।

भारत की संपर्क भाषा के रूप में जानी व पहचाने जाने वाली हिंदी को भारतीय संविधान सभा ने 14 सितम्बर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया था। हमारी कंपनी में हिंदी के अधिक से अधिक प्रयोग के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और हमारा यह उद्देश्य है कि कंपनी में भारत सरकार द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्यों का पूरी तरह से अनुपालन किया जाए।

मुझे यह आशा एवं विश्वास है कि हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर हम यह प्रतिज्ञा करें कि हम कंपनी में हिंदी के विकास के लिए सतत प्रयासरत रहेंगे।

धन्यवाद,

प्रबाल बासु
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

कृपया निम्नलिखित कार्यों को अनिवार्य रूप से हिंदी में करें

- हिंदी में प्राप्त पत्रों / ई-मेल का उत्तर अनिवार्य रूप से हिंदी में दें।
- यथा संभव पत्राचार हिंदी में करें।
- हिंदी पत्राचार बढ़ाएं और हिंदी प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाएं।
- हिंदी में बातचीत और बैठकों में भी हिंदी में चर्चा करें।
- हिंदी के छोटे-छोटे व आसान शब्दों का प्रयोग करें।
- गेस्ट हाउस, वाहन के लिए ई-मेल अनिवार्य रूप से हिंदी में करें।
- पत्रों, रजिस्टरों एवं फॉर्म ईत्यादि पर हिंदी में हस्ताक्षर करें।
- सभी सामान्य आदेश, अधिसूचनाएँ, प्रेस विज्ञप्तियॉं, संविदाएं, करार, टेंडर फॉर्म, नोटिस, संकल्प, नियम, प्रशासनिक व अन्य रिपोर्टें द्विभाषी रूप में जारी करें।
- सभी स्टेशनरी सामग्री द्विभाषिक रूप में तैयार करें।
- रजिस्टरों, फाइलों आदि पर विषय द्विभाषिक रूप में लिखें।
- सभी रबड़ की मोहरों को द्विभाषी तैयार कराएं।

उल्लेखनीय घटनाक्रम @ बामर लॉरी

बामर लॉरी के ऑनलाइन ट्रैवल पोर्टल FlyLikeKing.com ने जुलाई 2020 के महीने में एक वर्ष पूरा कर लिया है। यह पोर्टल अध्यक्ष & प्रबंध निदेशक द्वारा 15 जुलाई 2019 को कोलकाता में लॉन्च किया गया था। FlyLikeKing टीम को बधाई! कर्मचारी अपने आवंटित उपयोगकर्ता आईडी का उपयोग करके शून्य प्रोसेसिंग शुल्क, क्रेडिट कार्ड पर शून्य सुविधा शुल्क, कॉर्पोरेट टिकट पर कम रद्दीकरण शुल्क, सीमित समय के लिए नि: शुल्क भोजन और सीमित समय के लिए मुफ्त पुनर्निर्धारण सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। किसी भी जिज्ञासा / सहायता के लिए, कृपया सोमवार से शुक्रवार तक दोपहर 3 से सायं 5 बजे के बीच 033-22225739 पर कॉल करें या help@flylikeking.com पर ईमेल करें।

हमारी कंपनी की 103 वीं वार्षिक आम बैठक 25 सितंबर, 2020 को आयोजित की गई थी। कोविड-19 के कारण, एजीएम को वर्चुअल माध्यम से आयोजित किया गया था। यह शेयरधारकों के साथ-साथ प्रबंधन के लिए एक नया अनुभव था। वर्चुअल बैठक ने शेयरधारकों की भागीदारी को बढ़ाया और निदेशक मंडल के साथ बातचीत करने का एक अच्छा अवसर प्रदान किया। बैठक की अध्यक्षता श्री प्रबाल बासु, अध्यक्ष एवं प्रबंधक निदेशक द्वारा की गई थी और सभी कार्यकारी निदेशकों, सरकार के नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों के साथ-साथ कंपनी सचिव और वित्त टीम के सदस्यों ने वर्चुअल मंच पर भाग लिया था। बामर लॉरी ने पिछले वित्तीय वर्ष 2018-19 में 1854 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2019-20 के दौरान 1612 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार दर्ज किया जो कि लगभग 13% की कमी दर्ज की गई। कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2018-19 में 280 करोड़ रुपये के मुकाबले वित्तीय वर्ष 2019-20 में 232 करोड़ रूपये का कर पूर्व लाभ दर्ज किया। यह कमी कुछ एसबीयू, विशेष रूप से एसबीयू: लॉजिस्टिक्स के प्रदर्शन में कमी के लिए एवं मुख्य रूप से वित्त वर्ष की अंतिम तिमाही के दौरान कोविड-19 महामारी की शुरुआत के प्रतिकूल प्रभाव के कारण आई।

सीएसआर पहल के हिस्से के रूप में, नवी मुंबई के पाड्घे गांव, पनवेल में 'स्वास्थ्य, स्वच्छ जल और स्वच्छता पर क्षमता निर्माण' परियोजना को लागू करने के लिए बामर लॉरी और सक्षम फाउंडेशन के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर 21 अगस्त 2020 को नवी मुंबई के तलोजा में औद्योगिक पैकेजिंग संयंत्र में हस्ताक्षर किए गए थे और हस्ताक्षर करने वालों में श्री पार्थो चटर्जी, वीपी (एचआर), बामर लॉरी और सुश्री शुभांगी कदम, कार्यक्रम निदेशक, सक्षम फाउंडेशन थे।

18 सितंबर 2020 को, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय, डीएनएच ने सिल्वासा में कोविड-19 रोकथाम प्रथाओं का निरीक्षण करने के लिए ग्रीसेस एंड लुब्रिकेंट्स (जी&एल) प्लांट का औचक दौरा किया। उन्होंने रजिस्टरों के बारे में पूछताछ की और आवश्यकता के अनुसार रजिस्टरों की अद्यतन और रखरखाव को देखकर प्रसन्न हुए।

भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 8 अक्तूबर, 2020 को वीसी के माध्यम से कोविड-19 उचित व्यवहार का पालन करने और महामारी के खिलाफ लड़ने की शपथ दिलाई। यह गहन और केंद्रित कोविड -19 अभियान (कोविड जन आंदोलन) का हिस्सा था जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा फिर से मास्क पहनने, शारीरिक दूरी बनाए रखने और हाथों की स्वच्छता बनाए रखने पर जोर देने के लिए शुरू की गई। सी एंड एमडी श्री प्रबाल बासु ने वीसी में शामिल होकर समन्वय कार्यालय, स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में कर्मचारियों के साथ शपथ ली और निदेशक [मा.सं & सीए] श्री आडिका रत्न शेखर, अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कोलकाता स्थित कॉर्पोरेट कार्यालय में बोर्ड कक्ष से शामिल हुए। अन्य इकाइयों और कार्यालयों के कर्मचारी भी वीसी में शामिल हुए। अभियान के हिस्से के रूप में, अक्टूबर के महीने और नवंबर 2020 की शुरुआत में कंपनी में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए थे।

वर्ष 2020 के जुलाई महीने में लॉजिस्टिक्स सर्विसेज ने सम्मानित ग्राहकों के लिए विभिन्न कार्गो आवाजाही को सफलतापूर्वक संभाला।

बामर लॉरी लॉजिस्टिक्स ने जुलाई 2020 के महीने में एक अंतरराष्ट्रीय सरकार द्वारा चलाये जाने वाले एयरोस्पेस प्रमुख के लिए 2 X 40' 'एफआर और 2 X 20' ओपन टॉप कंटेनरों की आयात खेप को संभाला। यह खेप कोचीन बंदरगाह पर प्राप्त हुई और बेंगलुरु में रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाले एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम को दिया गया। कार्य के दायरे में सीमा शुल्क निकासी, कोचीन बंदरगाह पर सर्वेक्षण करना और अनलोडिंग के समय, एयर सस्पेंशन वाले वाहनों का उपयोग करके विशेष उपकरणों की आवाजाही और क्रेन, चालक दल के सदस्यों की तैनाती और पीएसयू के परिसर में कंटेनरों की ऑफलोडिंग शामिल थी।

बामर लॉरी लॉजिस्टिक्स ने सशस्त्र अनुरक्षण के तहत बेंगलुरु में निर्यातक के स्थान से केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा तक 70 करोड़ रुपये के मूल्यवान व लगभग 2600 किलोग्राम वज़न वाले कार्गो को सफलतापूर्वक और सुरक्षित रूप से स्थानांतरित कर दिया। इस खेप को मंज़ूरी दे दी गई और 31 जुलाई 2020 को इजरायल के लिए चार्टर फ्लाइट के जरिये भेजे जाने की तैयारी कर ली गई।

बामर लॉरी लॉजिस्टिक्स ने एयर चार्टर द्वारा रूस के कालिनिनग्राद तक आगे की आवाजाही के लिए बेंगलुरु में रक्षा मंत्रालय के तहत आने वाले एक प्रमुख पीएसयू से 55 करोड़ रुपये के हम्सा परियोजना कार्गो के लगभग 15000 किलोग्राम का कार्गो सफलतापूर्वक स्थानांतरित कर दिया। सेवा के दायरे में पीएसयू के परिसर से लेकर एयरपोर्ट तक खेप की आवाजाही, कस्टम क्लीयरेंस, चार्टर एयरक्राफ्ट (आईएल-76) पर लोडिंग, विमान को कालिनिनग्राद तक ऑपरेट करना और गंतव्य एयरपोर्ट पर खेप की डिलिवरी शामिल थी। चार्टर उड़ान 31 जुलाई 2020 को परिचालित की गई थी।

बामर लॉरी लॉजिस्टिक्स की दिल्ली शाखा ने हमारे प्रतिष्ठित ग्राहक, एक प्रमुख सरकारी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की सेवा करके जून और जुलाई 2020 के महीनों के दौरान वैश्विक महामारी कोविड -19 के खिलाफ लड़ाई में योगदान दिया। बामर लॉरी ने आरवी पीसीआर किट के साथ कोविड-19 परीक्षण सुविधा उपकरण और अनुसंधान मशीनरी पहुंचाई जो संस्थान द्वारा भारत में गंभीर रूप से आवश्यक थे। संस्थान की वेबसाइट के अनुसार वे सफलतापूर्वक 6,64,949 लाख दैनिक परीक्षण कर रहे हैं जैसा कि 5 अगस्त 2020 को दर्ज किया गया था।

अगस्त 2020 के महीने में, लॉजिस्टिक्स सर्विसेस ने सम्मानित ग्राहकों के लिए विभिन्न कार्गो आवाजाही को सफलतापूर्वक संभाला।

बामर लॉरी ने शंघाई बंदरगाह, चीन से कोलकाता बंदरगाह तक एक प्रमुख सार्वजनिक उपक्रम के लिए हाइड्रोलिक ऑल टेरेन मोबाइल क्रेन के महासागर आयात को संभाला। 220 सीबीएम से अधिक वाले 150 मीट्रिक टन कार्गो को निर्धारित समय सीमा के भीतर सफलतापूर्वक कोलकाता बंदरगाह लाया गया।

बामर लॉरी ने अगले दिन निर्धारित समय पर बेंगलुरु हवाई अड्डे से मस्कट (ओमान) के लिए हवाई मार्ग से कटे हुए फूलों के एक टन निर्यात शिपमेंट को अंजाम दिया। हाल ही की यह सेवा बामर लॉरी द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं से जुड़ा।

बामर लॉरी ने ओवरसाइज्ड कैपिटल मशीनरी और उपकरणों के एक ब्रेकबल्क निर्यात को अंजाम दिया। टीम ने कोलकाता बंदरगाह पर ब्रेकबल्क और कंटेनरों के रूप में पूर्ण पैकेज के संयोजन का प्रबंधन किया, सीमा शुल्क निकासी की देखभाल की और अंत में बांग्लादेश के चटगांव तक कार्गो की शिपिंग की। बंदरगाहों पर लॉकडाउन और भीड़ के कारण आने वाली बाधाओं के बावजूद, बामर लॉरी ने सफलतापूर्वक योजनाबद्ध तरीके से इस महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम दिया।

बामर लॉरी ने तेल और गैस क्षेत्र में एक सम्मानित पीएसयू ग्राहक को 11 पैलेट में 11.2एमटी जीएसआर योजक का शिपमेंट किया। बामर लॉरी ने दुनिया भर में लॉकडाउन के बीच जुलाई माह में अमेरिका से हवाई मार्ग से माल ढुलाई की।

बामर लॉरी में राजभाषा के कार्यान्वयन से संबन्धित उल्लेखनीय घटनाक्रम

✸ दिनांक 29 जनवरी 2020 को आयोजित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम) कोलकाता की छमाही बैठक सह समारोह में वर्ष 2019-20 हेतु राजभाषा कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता के लिए पश्चिम बंगाल के महामहिम राज्यपाल के कर कमलों से राजभाषा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

✸ नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (उपक्रम)-कोलकाता के तत्वाधान में 13 दिसम्बर 2019 को हिंदी निबंध प्रतियोगिता का सफलता पूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें कोलकाता के विभिन्न उपक्रमों से अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम बेहद प्रशंसनीय एवं सफल रहा।

✸ दिनांक 25 फरवरी, 2020 को प्रधान कार्यालय के प्रशिक्षण केंद्र में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन हमारें निदेशक(मा. सं.&सीए), श्री ए रत्नशेखर द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में संकाय सदस्य के रूप में श्री नवीन प्रजापति, सलाहकार, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो, कोलकाता एवं श्रीमती रीता भट्टाचार्या, पूर्व मुख्य प्रबंधक(राभा), यूबीआई, कोलकाता को आमंत्रित किया गया, जिन्होने राजभाषा नीति, नियम, अधिनियम, प्रशासनिक शब्दावली, हिंदी में नोटिंग/ड्राफ्टिंग/पत्राचार एवं हिंदी अनुवाद के बारें में चर्चा की। कार्यशाला में कुल 25 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

✸ बामर लॉरी एंड कं. लि. के पूर्वी क्षेत्र के अधिकारियों व कर्मचारियों के लिए दिनांक 24 सितम्बर 2020 को सर्वप्रथम वेबिनार के माध्यम से एक हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन श्री अतनु चट्टोपाध्याय, सहायक प्रबंधक, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, कोलकाता द्वारा किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय कंप्यूटर में हिंदी अनुवाद, हिंदी ई-मेल, हिंदी शब्दावली ईत्यादि के बारे विस्तृत रूप से चर्चा किया गया। कार्यशाला में कुल 20 अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया।

✸ हिन्दी प्रशिक्षण - मई 2020 सत्र हेतु बामर लॉरी में प्रबोध प्रवीण एवं प्राज्ञ की कक्षाएं संचालित की गई जिसमें 12 कार्यपालकों, अधिकारियों एवं लिपिकों को नामित किया गया। कोविड-19 के व्यापक संक्रमण को ध्यान में रखते हुए उक्त परीक्षा पहली बार होम सेंटर के रूप में बामर लॉरी के प्रधान कार्यालय (प्रशिक्षण केंद्र) में दिनांक 23.11.2020 को प्रवीण एवं दिनांक 24.11.2020 को प्राज्ञ परीक्षा संपन्न हुआ।

हिन्दी पखवाड़ा @ बामर लॉरी

किसी भी भाषा की अपनी अस्मिता होती है, अस्तित्व होता है। यह अस्तित्व उस समय अपनी पराकाष्ठा पर पहुँचता है जब यह लोकप्रिय हो जाता है , विशाल जनसमूह का प्रतिनिधित्व करता है और लोगों के बीच अभिव्यक्ति के लिए सशक्त संपर्क-भाषा का कार्य करती है। यह प्रतिष्ठा हिंदी भाषा को प्राप्त है क्योंकि हिंदी भारत देश में सबसे अधिक लोगों द्वारा बोली और समझी जाने वाली भाषा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए भारतीय संविधान सभा ने 14 सितंबर 1949 को हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया और भारतीय संविधान के अनुच्छेद 343 (1) में वर्णित किया गया कि देवनागरी में लिखी हिंदी भारतीय संघ की राजभाषा होगी और शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग किये जाने वाले अंको का रूप भारतीय अंको का अंतरराष्ट्रीय रूप होगा। तभी से 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूम में और केन्द्रीय कार्यालयों द्वारा सितंबर माह में अपनी-अपनी परंपरा के अनुसार हिंदी दिवस / सप्ताह / पखवाड़ा / माह का आयोजन किया जाता है।

राजभाषा के रूप में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए, कंपनी के सभी कार्यालयों, इकाइयों और प्रतिष्ठानों में सितंबर 2020 के महीने में 'हिंदी पखवाड़ा' मनाया गया। कर्मचारियों के लिए विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

पूर्वी क्षेत्र

प्रत्येक वर्ष की भांति राजभाषा हिन्दी के प्रति कर्मचारियों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कोलकाता स्थित प्रधान कार्यालय, जी&एल और सीएफएस में 14.09.2020 से 28.09.2020 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया।

14 सितम्बर 2020 को हिन्दी पखवाड़े के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन पहली बार वर्चुअल माध्यम से किया गया। इस संदर्भ में अध्यक्ष एवं प्रबंध

निदेशक महोदय द्वारा दिए गए संदेश को कर्मचारियों तक पहुंचाया गया। अपने संदेश में अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने कर्मचारियों से अपील की थी कि वे राजभाषा हिंदी के विकास में गति लाएं और वे राजभाषा हिंदी का प्रयोग केवल हिंदी पखवाड़े के दौरान ही नहीं बल्कि वर्ष भर करने के हर संभव प्रयास करें।

इस पखवाड़े के दौरान हिन्दी ई-मेल प्रतियोगिता, हिंदी निबंध प्रतियोगिता, हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता एवं हिंदी गीत प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही दिनांक 24.09.2020 को प्रधान कार्यालय में पहली बार वेबिनार के माध्यम से एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के संकाय सदस्य के रूप में व्याख्यान हेतु श्री अतनु चट्टोपाध्याय, एचपीसीएल को आमंत्रित किया गया था। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यशाला की बहुत ही प्रशंसा की।

28 सितम्बर, 2020 को हिन्दी पखवाड़े का समापन समारोह का आयोजन वर्चुअल माध्यम से ही किया गया। समापन समारोह में पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले सभी विजेताओं के नाम घोषित किए गए एवं हमारे अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने सभी विजेताओं को शुभकामनाएं दी।

पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं के नाम :-

ई-मेल प्रतियोगिता

विजेताओं के नाम	विभाग	पुरस्कार
1. श्री शिबंत दे	एचएसई	प्रथम
2. सुश्री कविता भावसार	साचिविक	द्वितीय
3. श्रीमती मोहर मुखोपाध्याय	कार्पोरेट संचार	तृतीय

हिंदी निबंध प्रतियोगिता

1. श्री शिबंत दे	एचएसई	प्रथम
2. श्रीमती अश्मिता राय चौधरी	सीएचआरडी	द्वितीय
3. श्री विनित सचदेव	आरओएफएस	तृतीय
4. सुश्री भव्या सिंह	आईटी	सांत्वना
5. श्रीमती मौमिता कर्मकार	क्षे.मा.सं.-पूर्व	सांत्वना

गीत प्रतियोगिता

1. श्रीमती मोहर मुखोपाध्याय	कार्पोरेट संचार	प्रथम
2. सुश्री मैत्रयी मजुमदार	डीएस	द्वितीय
3. श्रीमती ममता बनर्जी	डीएस	तृतीय
4. श्रीमती मृगशिखा मित्रा बनर्जी	सीएचआरडी	तृतीय
5. श्री शिबंत दे	एचएसई	सांत्वना

स्लोगन प्रतियोगिता

1. सुश्री श्वेता चंद्रिका	क्षे.मा.सं.-पूर्व	प्रथम
2. सुश्री कविता भावसार	साचिविक	द्वितीय
3. श्रीमती मृगशिखा मित्रा बनर्जी	सीएचआरडी	तृतीय
4. श्रीमती अश्मिता राय चौधरी	कार्पोरेट संचार	सांत्वना
5. श्रीमती मौमिता कर्मकार	क्षे.मा.सं.-पूर्व	सांत्वना

पश्चिमी क्षेत्र

REDMI NOTE 9
AI QUAD CAMERA

प्रत्येक वर्ष की भॉति इस वर्ष भी राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय एवं कॉरपोरेट कार्यालय के निर्देशानुसार पश्चिमी क्षेत्र के सभी कार्यालयों में हिंदी माह का आयोजन दिनांक 07.09.2020 से 30.09.2020 तक किया गया। हिंदी माह में गत वर्षों की भॉति निम्निलिखित प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

हिन्दी माह के दौरान विभिन्न निम्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई थी:

लिखित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता	वर्ग पहेली	सुडोकू	व्याकरण
सीएमडी एवं मंत्री महोदय का संदेश पढ़ा जाना	स्वरचित काव्य रचना	अनुवाद एंव टिप्पणी लेखन	ई4 और उससे उपर के अधिकारियों के लिए प्रतियोगिता

जैसा हम जानते है कि इस वर्ष वैश्विक महामारी को ध्यान में रखते हुए तथा भारत सरकार के निर्देश के अनुपालन में बैठकों / सम्मेलनों को सोशल डिस्टेंसिंग का अनुपालन करते हुए अथवा ऑनलाइन माध्यम से किया जाना था। उपर्युक्त के संबंध में मुंबई कार्यालय एवं उसके अधीनस्थ सभी कार्यालयों ने अपने यहाँ सोशल डिस्टेंसिंग के मानदंण्डों का अनुपालन करते हुए मुंबई कार्यालय के निर्देशानुसार हिंदी माह का आयोजन किया जिसके दौरान उपर्युक्त समस्त प्रतियोगिताओं में वरिष्ठ अधिकारी, स्थाई / अस्थाई, एफटीसी, डाइरेक्ट कॉट्रैक्ट एवं आउटसोर्स के सभी कर्मचारियों / अधिकारियों ने बढ़-चढ़ कर पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। इस बात से हम पूरी तरह से अवगत हैं कि हिंदी को संपर्क भाषा के रूप में जाना जाता है और इस पखवाड़ा के दौरान पाया गया कि हमारे कर्मचारी उम्मीद से कहीं ज्यादा हिंदी पर पकड़ रखते हैं जोकि राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में मनोबलकारी प्रतीत होता है। पश्चिम क्षेत्र से संबंधित सभी कार्यालयों में हिंदी के प्रति कर्मचारियों की रूचि को हिंदी प्रतियोगिताओं के माध्यम से सहज रूप से महसूस किया जा सकता है ।

मुंबई कार्यालय, अंधेरी, तलोजा, सीएफएस, जी एंड एल सिलवासा, आई पी सिलवासा, वडोदरा सिटी कार्यालय, आई पी वडोदरा प्लांट, अहमदाबाद कार्यालय, पुणे ट्रैवल एवं लॉजीस्टिक्स, नागपूर आदि सभी कार्यालयों की प्रतिभागिता रही है।

उत्तरी क्षेत्र

एन आर ओ

एन आर ओ -ओखला

कंपनी के उत्तरी क्षेत्र में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी हिन्दी पखवाड़ा भव्य रूप से मनाया गया। उत्तरी क्षेत्र के सभी कार्यालयों जैसे ओखला, स्कोप, असौटी, टी सी डब्लू - राई में हिंदी पखवाड़े के दौरान कई प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए। कोविड -19 महामारी को ध्यान में रखते हुए सभी हिंदी प्रतियोगिताएं ऑनलाइन प्लेटफार्म पर 01.09.2020 से 14.09.2020 तक किया गया। कुल 76 अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ऑनलाइन प्लैटफ़ार्म पर हिन्दी प्रतियोगीता में भाग लिया। सभी प्रतियोगियों ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किये।

प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त विजेताओं के साथ साथ दो-दो सांत्वना पूरस्कृत व्यक्तियों के नाम निम्न प्रकार है |

स्थान	निबंध प्रतियोगिता	ड्राफ्टिंग, नोटिंग पत्राचार
प्रथम	श्री मनीष सिंह (टी & वी)	श्री दुर्गेश मिश्रा (टी & वी)
द्वितीय	श्रीमती चेतना कपूर (टी & वी)	श्री एम एम मुखीजा (आइ पी)
तृतीय	मो॰ शारीक खान (टी & वी)	श्रीमती दीपिका अरोरा (टी & वी)
सांत्वना	श्री विनोद कुमार (टी & वी)	श्री इंद्र कुमार (टी & वी)
सांत्वना	श्री रामेश्वर राम (टी & वी)	श्रीमती बल्जिंदर कौर (टी & वी)

दक्षिणी क्षेत्र

REDMI NOTE 6 PRO

REDMI NOTE 6 PRO

REDMI NOTE 6 PRO

Balmer Lawrie & Co Ltd
हिंदी दिवस / HINDI DIVAS
&
हिंदी पखवाड़ा / HINDI FORTNIGHT
– 14th सितम्बर / September 2020

Balmer Lawrie Co Ltd

मनली फ़ैक्टरी

हिन्दी पखवाड़ा समारोह 1 सितम्बर से 14 सितम्बर 2020 तक कंपनी के दक्षिणी क्षेत्र में में भव्य रूप से मनाया गया। इस अवसर पर निम्नलिखित प्रोग्राम आयोजित किए गए।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता-02.09.2020

इस अवसर पर श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक (एचआर & ईआर) एस आर एवं श्री एस सत्यनारायणन, संयंत्र प्रधान (चेन्नई)- जी&एल कीअध्यक्षता में हिन्दी भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 17 कर्मचारीगण भाग लिये और 17 कर्मचारीगण पुरस्कार के लिये चयनित किए गए।

श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक (एचआर & ईआर) एस आर एवं श्री एस सत्यनारायणन, संयंत्र प्रधान (चेन्नई)- जी&एल ने हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का निर्णय किया।

प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता-04.09.2020

राजभाषा हिन्दी लिखित प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 15 कर्मचारीगण भाग लिये और 3 कर्मचारीगण पुरस्कार के लिये चयनित किए गए।

श्री महेंद्र दास, कनिष्ठ अधिकारी (राजभाषा व प्रशासन) ने हिन्दी लिखित प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता का निर्णय किया।

हिन्दी अंत्याक्षरी समूह प्रतियोगिता-07.09.2020

इस अवसर पर श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक(एचआर & ईआर) एस आर एवं श्री एस सत्यनारायणन, संयंत्र प्रधान (चेन्नई)- जी&एल की अध्यक्षता में हिन्दी अंत्याक्षरी समूह प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें 16 कर्मचारीगण भाग लिये और 16 कर्मचारीगण पुरस्कार के लिये चयनित किए गए।

श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक (एचआर & ईआर) एस आर एवं श्री एस सत्यनारायणन, संयंत्र प्रधान (चेन्नई)- जी&एल ने हिन्दी अंत्याक्षरी समूह प्रतियोगिता का निर्णय किया।

सिटी ऑफिस

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता, प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता, हिन्दी अंत्याक्षरी समूह प्रतियोगिता-09.09.2020

उपर्युक्त तीनों प्रतियोगिता श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक(एचआर & ईआर) एस आर एवं श्री त्यागराजन, वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक(ऑपरेशन) एलएस की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें 27 कर्मचारीगण भाग लिये और 21 कर्मचारीगण पुरस्कार के लिये चयनित किए गए।

हिन्दी कार्यशाला-25.09.2020

यह कार्यशाला अतिथि वक्ता श्रीमति अरुणा, हिंदी अधिकारी, चेन्नई पोर्ट ट्रस्ट, चेन्नई की अध्यक्षता में आयोजित की गई। हिन्दी कार्यशाला में 20 कर्मचारीगण उपस्थित हुए।

हिन्दी दिवस, हिन्दी पखवाड़ा समारोह & पुरस्कार वितरण

14.09.2020

राजभाषा कार्यान्वयन के अध्यक्ष, श्री आर एम उदयराजा, मुख्य परिचालन अधिकारी (एलसी) की अध्यक्षता में कंपनी में भव्य रूप से राजभाषा हिन्दी दिवस, हिन्दी पखवाड़ा समारोह मनाया गया।

समारोह शुभारंभ का स्वागत महेंद्र दास , कनिष्ठ अधिकारी (राजभाषा & प्रशासन) ने अपने वक्तव्य से किया।

श्री डी श्रीरामन, मुख्य प्रबन्धक(एचआर & ईआर) ने कर्मचारीगण को हिन्दी दिवस के अवसर पर संबोधित किया। जिसमें सभी विभागाध्यक्ष, प्रबन्धकगण, अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

राजभाषा कार्यान्वयन के अध्यक्ष श्री आर एम उदयराजा, मुख्य परिचालन अधिकारी (एलसी), ने श्री प्रबाल बासु (अध्यक्ष & प्रबन्धक निदेशक) का संदेश को पढ़ा, जिसमें सभी विभागाध्यक्ष, प्रबन्धकगण, अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे तथा आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को गिफ्ट से सम्मानित किया तथा प्रतियोगिताओ में भाग लिए सभी विभागाध्यक्ष, प्रबन्धक गण, अधिकारी गण और कर्मचारी गण को सांत्वना पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

तदोपरांत हिन्दी दिवस के समापन समारोह के कार्यक्रम में मनली एवं सिटि ऑफिस तेनामपेट के सभी विभागाध्यक्ष, प्रबन्धकगण, अधिकारीगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे।

अपने साथी बामर लॉरियन को जानें ...

जे त्यागराजन
वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक - लॉजिस्टिक्स सर्विसेज, चेन्नई

आप कब से बामर लॉरी के साथ काम कर रहे हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका / विभाग क्या है?

मैं पिछले 33 वर्षों से बामर लॉरी के साथ हूँ। मैं अगस्त 1987 को बामर लॉरी के चेन्नई स्थित ग्रीसेस एंड लुब्रिकेंट्स में शामिल हुआ। वर्तमान में मैं लॉजिस्टिक्स सर्विसेज, चेन्नई में वरिष्ठ शाखा प्रबन्धक के रूप में कार्यरत हूं।

आपको बामर लॉरी के बारे में क्या पसंद है?

बामर लॉरी अपनी जनशक्ति को अत्यधिक महत्व देता है। शीर्ष प्रबंधन कर्मचारियों को अपनी मुख्य ताकत मानता है जो इस संगठन के विकास और बेहतरी के लिए योगदान दे रहे हैं।

बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन सा है?

चेन्नई के होटल कांची में स्थापना दिवस समारोह में स्वागत भाषण देना मेरे लिए एक सम्मान की बात थी, जब 1991 में बामर लॉरी ने अपना 125 वां वर्ष मनाया। और, मुझे खुशी है कि मैं तब भी कंपनी के साथ जुड़ा हुआ था जब इसने अपनी नींव का 150 वां वर्ष भी मनाया।

जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?

मैं रामकृष्ण परमहंस का प्रबल अनुयायी हूं और मैं चेन्नई के रामकृष्ण मिशन विवेकानंद कॉलेज का गौरवान्वित छात्र हूं। मैंने स्वामी विवेकानंद की बहुत सारी किताबें पढ़ीं।

आप किस स्थान से हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?

मैं तमिलनाडु के तंजौर जिले के श्रीरंगाराजपुरम नामक एक छोटे से गांव से ताल्लुक रखता हूं। मेरे परिवार में मेरी पत्नी, मेरा पुत्र और मेरी मां शामिल हैं।

आपके शौक क्या हैं?

मेरे दोस्तों का एक छोटा सा समूह है, जिसके साथ मैं समाजसेवा करता हूं। छुट्टियों में हम जरूरतमंद लोगों को टिफिन, खाना आदि सर्व करते हैं।

150 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत वाले संगठन का हिस्सा होना कैसा लगता है?

मुझे इस 150+ वर्ष पुराने संगठन के साथ काम करने में बहुत खुशी और महसूस हो रही है। जब भी मैं कुछ बुजुर्ग या वरिष्ठ नागरिकों से मिलता हूं, जो कंपनी को जानते हैं और उन्हें यह बताने पर कि मैं बामर लॉरी के लिए काम कर रहा हूं, तो वे तुरंत अच्छे शब्दों के साथ प्रतिक्रिया देते हैं।

मिलिंद बर्वे
प्रबन्धक [परिचालन] - लॉजिस्टिक्स इन्फ्रास्ट्रक्चर, मुंबई

आप कब से बामर लॉरी के साथ काम कर रहे हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका / विभाग क्या है?

मैं 11 मई 2015 को बामर लॉरी एंड कंपनी लिमिटेड में शामिल हो गया और वर्तमान में कंटेनर फ्रेट स्टेशन [सीएफएस], मुंबई में लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर टीम के एक हिस्से के रूप में प्रबंधक [परिचालन] के रूप में काम कर रहा हूं। बामर लॉरी से पहले, मैं कोल इंडिया लिमिटेड के साथ कोलकाता में सहायक प्रबंधक [बिक्री और विपणन] की क्षमता में काम कर रहा था।

आपको बामर लॉरी के बारे में क्या पसंद है?

बामर लॉरी का समृद्ध इतिहास निश्चित रूप से सभी साथी बामर लॉरियन्स के लिए गर्व करने का विषय है। हालाँकि, मुझे अपनी कंपनी में जो चीज सबसे ज्यादा पसंद है, वह है कर्मचारियों को आउट ऑफ द बॉक्स सोचने और नए क्षेत्रों में उद्यम करने की स्वतंत्रता। समय की अवधि में, कंपनी ने कुछ उत्कृष्ट परिणामों का पता लगाने और हासिल करने के लिए कई शाखाओं में निवेश किया है।

कंपनी के भीतर व्यवसाय और व्यवसाय मॉडल के मामले में विविधता, एक और कारक है जो इसे अद्वितीय बनाता है।

बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन सा है?

हाल ही में कोविड-19 को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन के दौरान, जब माल की आवाजाही एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य था, तो हमारी बामर लॉरी सीएफएस मुंबई की टीम 24 * 7 कार्यशील थी और मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि हमारे पास सीमित संसाधनों के बावजूद, हम मार्च के महीने से जुलाई 2020 तक 150% से अधिक क्षमता पर काम कर रहे थे। जिस तरह से हमारी टीम ने सीमित संसाधनों और कोरोनावायरस के बढ़ते डर के बावजूद विदेशी वस्तुओं की आवाजाही के इस विशाल कार्य को संभाला, वह प्रशंसनीय है।

मेरे लिए व्यक्तिगत स्तर पर एक और गर्व का क्षण वह है, जब हमारी कंपनी के लिए अधिकृत आर्थिक संचालक (एईओ) (वित्त मंत्रालय द्वारा जारी) का प्रमाणीकरण प्राप्त करने के मेरे प्रयास फलदायी रहे।

जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?

हालांकि यह स्पष्ट लग सकता है, लेकिन मैं अपने माता-पिता को अपनी सबसे बड़ी प्रेरणा मानता हूं। वे मामूली घरों से ताल्लुक रखने वाले अपनी-अपनी तहसीलों में पहले स्नातक बने। सरकारी नौकरी हासिल करने से लेकर अपने करियर में अकल्पनीय ऊंचाइयों तक पहुंचे (मेरी मां ने बीएआरसी में काम किया और मेरे पिता ने राज्य सरकार में काम किया) वे दोनों अब खुशी से सेवानिवृत्त हैं। वे इस मुकाम तक पहुंचे । घर पर दो बच्चों और बहुत कम वित्तीय सहायता के साथ यह सब करने की कल्पना करें! वे जीवन के सभी उतार-चढ़ाव के माध्यम से खुद को जिस तरह से संचालित किया है, उसमें वे वास्तव में प्रेरणादायक हैं ।

आप किस स्थान से हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?

मैं मुंबई में पैदा हुआ और पाला-पोसा गया हूं और मेरा मूल निवास नासिक जिले का एक छोटा सा गांव है जिसका नाम है उमरखेड़ है। यह अंगूर के उत्पादन के लिए एक बहुत ही प्रसिद्ध जगह है।

मेरे परिवार में शामिल है मेरी पत्नी सयाली, जो एक आईटी पेशेवर है, मेरे माता-पिता और मेरा छोटा भाई, जिन्होंने हाल ही में फार्मेसी में स्नातक पूरा किया है।

आपके शौक क्या हैं?

मैं एक उत्सुक एवं कथा साहित्य का पाठक हूँ। मुझे लघु कथाएँ लिखना विशेष रूप से छोटे किस्से लिखना बहुत पसंद है। यह एक नई शैली है और मैं इसे वर्तमान में खोज रहा हूं। मुझे यात्रा करना बेहद पसंद है जब भी मुझे पहाड़ से बुलावा आता है।

150 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत वाले संगठन का हिस्सा होना कैसा लगता है?

बामर लॉरी की विरासत निर्विवाद रूप से पोषित होने वाली संपत्ति है। एक ऐसे संगठन का हिस्सा बनना, निश्चित रूप से एक धन्य भावना है जिसने न केवल 150 वर्षों तक निरंतर विकास किया है बल्कि मुनाफा भी कमाया है।

रतिकांत पांडा,
उप प्रबंधक [मानव संसाधन] – ग्रीसेस & लुब्रीकेंट्स, कोलकाता

आप कब से बामर लॉरी के साथ काम कर रहे हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका / विभाग क्या है?

मैं अक्टूबर 2015 के बाद से बामर लॉरी के साथ जुड़ा। वर्तमान में, मैं जी & एल, कोलकाता में तैनात हूं और यूनिट के लिए मानव संसाधन, आईआर, एडमिन और लाइजन के माउंट फंक्शन की देखरेख कर रहा हूं। यूनिट एचआर का हिस्सा होने के अलावा मैं कंपनी के ग्रीसेस एंड लुब्रिकेंट्स वर्टिकल के लिए एसबीयू-एचआर की जिम्मेदारी भी निभा रहा हूं।

आपको बामर लॉरी के बारे में क्या पसंद है?

बामर लॉरी में कार्य जीवन सक्रिय रूप से सीखने का पोषण करता है और व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसर प्रदान करता है। मैं वास्तव में इस तथ्य की सराहना करता हूं कि बामर लॉरी (बीएल) सेवा और क्रॉस-कल्चरल अनुभवों दोनों पर जोर देता है। बीएल विशेषज्ञता के महत्व को पहचानता है। बामर लॉरी में कार्य संस्कृति और पर्यावरण सकारात्मक, मैत्रीपूर्ण और एक परिवार की तरह है। हम सभी ग्राहक के लिए अत्यंत खुशी और मूल्य देने के लिए एक साथ काम करते हैं।

बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन सा है?

पिछले वर्ष जीएंडएल-कोलकाता संयंत्र ने विनिर्माण उत्कृष्टता पुरस्कार, इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर मैन्युफैक्चरिंग (आईआरआईएम), मुंबई द्वारा आयोजित ऑडिट में भाग लिया था और पहली बार रजत पुरस्कार प्राप्त करना बहुत गर्व की बात थी। जीएंडएल की पूरी टीम ने बाहरी लेखा परीक्षकों द्वारा जीएंडएल -कोलकाता संयंत्र के दो दिवसीय आकलन के दौरान अपनी विनिर्माण योग्यता को प्रदर्शित करने के लिए महीनों तक कड़ी मेहनत की थी। यह सच्ची भावना में एक सहयोगी टीम का प्रयास था और सफलता अपरिहार्य थी।

जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?

कई उद्योग जगत के नेतृत्व मुझे प्रेरित करते हैं, लेकिन मेरा कहना है कि मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा मेरे पिता हैं जिन्होंने मुझे हमेशा केंद्रित और लक्ष्य उन्मुख रहना सिखाया, चाहे मेरे रास्ते में आने वाली बाधाएं कोई भी हों। सोचने के इस तरीके ने मेरी सफलता में काफी योगदान दिया है।

आप किस स्थान से हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?

मैं ओडिशा के भद्रक में पैदा हुआ। मैंने भद्रक में स्नातक तक की अपनी शैक्षणिक यात्रा पूरी की। इसके बाद , प्रबंधन अध्ययन के लिए मैं नई दिल्ली चला गया। मैं अपने परिवार में अपने माता-पिता और छोटे भाई के साथ रहने के लिए धन्य हूं।

आपके शौक क्या हैं?

मानव व्यवहार का निरीक्षण करना, मूवी देखना और मेरे बचे हुए समय में एक हाइवे ढाबा में बैठे मेरे दोस्तों के साथ एक कप चाय का आनंद लेना।

150 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत वाले संगठन का हिस्सा होना कैसा लगता है?

मैं उस कंपनी का हिस्सा बनकर सम्मानित और गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं जिसने 150 साल पार कर लिए हैं। इस महान संगठन ने मुझे यहां काम करने की यादों से सीखने और उसे संजोने के अद्भुत अवसर दिए हैं। मैं अत्यंत समर्पण के साथ संगठन में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान देने की आशा करता हूं।

ए साई श्रीनिवास
उप प्रबंधक [बिक्री और विपणन] - औद्योगिक पैकेजिंग, नई दिल्ली

आप कब से बामर लॉरी के साथ काम कर रहे हैं और वर्तमान में आपकी भूमिका / विभाग क्या है?

मैं 4 से अधिक वर्षों के लिए बामर लॉरी इंडस्ट्रियल पैकेजिंग डिवीजन के साथ हूं। मैं वर्तमान में दिल्ली एनआरओ में एसबीयू औद्योगिक पैकेजिंग उत्तरी क्षेत्र की बिक्री और विपणन गतिविधियों की देखरेख में काम कर रहा हूं, प्रमुख ग्राहकों को संभाल रहा हूं और नए व्यवसाय का निर्माण कर रहा हूं, मेरे एसबीयू में सर्वश्रेष्ठ योगदान देने वाले क्षेत्रों में से एक के रूप में रैंक करने के लिए मेरे डिवीजन को शक्ति प्रदान कर रहा हूं।

आपको बामर लॉरी के बारे में क्या पसंद है?

बामर लॉरी के बारे में मुझे सबसे अच्छी बात यह लगी कि व्यवसाय को चलाने के लिए मजबूत प्रक्रियाएं और प्रणालियां हैं। एक पीएसयू होने के नाते और बाजार में अग्रणी होने के नाते एक कमाल की उपलब्धि है। हमारी प्रतिक्रिया प्रणाली, सेवा उत्कृष्टता, पर्यावरण के प्रति जागरूक विनिर्माण प्रथाओं ने कई नए ग्राहक व कई वाहवाही हासिल की है। बामर लॉरी ने मुझे अपने कार्य जीवन को संतुलित करने के लिए आवश्यक प्रोत्साहन दिया है और मुझे निर्बाध और सहजता से काम करने में सक्षम बनाया है। मैं अपने कर्मचारियों द्वारा इस महामारी के दौरान खड़े होने के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण एहतियाती उपायों से अवगत कराते हुए, समय पर कोविड प्रोटोकॉल को सूचित करने, और परीक्षण और अस्पताल में भर्ती सहायता प्रणालियों का विस्तार करने के लिए बामर लॉरी को धन्यवाद देता हूं।

बामर लॉरी में आपका सबसे यादगार पल कौन सा है?

बामर लॉरी में मेरे पहले वर्ष ने मेरे करियर में कुछ बेहतरीन पल दिए। मुझे प्रमुख दक्षिणी राज्यों के बाजार स्कैनिंग करने, बाजार से समझने और सीखने के लिए कहा गया था। मैंने बाजार की नब्ज का दोहन करने, संभावित ग्राहकों की पहचान करने और उन्हें बदलने के लिए कई औद्योगिक समूहों का दौरा किया। इस बाजार स्कैनिंग यात्रा ने मुझे चुनौतियों का सामना करने के लिए स्वतंत्र और लचीला होना सिखाया।

जीवन में आपकी प्रेरणा कौन है और क्यों?

मेरे पिता जिन्होंने हाल ही में देवत्व प्राप्त किया है, मेरी प्रेरणा हैं। सेवा में रहते हुए वह सत्यनिष्ठ व ईमानदार थे। मेरे पिता ने मेरे परिवार के कई सदस्यों को उनके करियर में बने रहने में मदद की है। मेरे पिता ने मेरे परिवार के कई सदस्यों को अपने करियर में बसने में मदद की है। वह एक विशेष व्यक्तित्व थे। मेरे अधिकांश रिश्तेदार और पड़ोसी हमेशा सलाह और सहायता के लिए उनकी ओर देखते थे।

आप किस स्थान से हैं और आपके परिवार में कौन-कौन हैं?

मैं आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले से हूँ। मेरी पत्नी नीति आयोग दिल्ली में रिसर्च ऑफिसर-मॉनिटरिंग एग्रीकल्चर के पद पर कार्यरत हैं। हम दो बच्चों के साथ धन्य हैं, मेरी बेटी स्नेहिता सातवीं कक्षा में है और मेरा बेटा शिवा सात्विक बालाजी केजी में है।

आपके शौक क्या हैं?

मैं एक सामयिक ब्लॉगर हूं, मुझे संगीत और क्रिकेट पसंद है।

150 से अधिक वर्षों की समृद्ध विरासत वाले संगठन का हिस्सा होना कैसा लगता है?

यह मेरे करियर की दूसरी कंपनी है जो 150 से अधिक वर्षों के इतिहास को समृद्ध करती है। मैं इस संगठन में काम करने के लिए सम्मानित और धन्य हूं जो संगठन अपने मूल्यों में गहरी जड़ें जमाए हुए है और हमेशा हमारे राष्ट्र की प्रगति में सकारात्मक योगदान दिया है।

टैलंट अनलिमिटेड

भोर की किरण

भोर की पहली किरण के आने से।
ऐसा लगता है कि तुम हो ॥
चिड़ियों के चह-चहाने से
ऐसा लगता है कि तुम हो
हवा के मंद-मंद झोकों के चलने से
ऐसा लगता है कि तुम हो
यूँ ही मेरा मन तुम्हें हर वक्त ढूँढता है
यहीं-कहीं आस-पास लगता है कि तुम हो ॥
अचानक ही उदासी सी छा जाती है मेरे मन में।
तुम्हारी पहचान खो जाती है मेरे मन से
और मन छटपटाता है कुछ इस तरह
जैसे कि मीन छटपटाती बिन पानी के
और अनायास ही तुम बहुत दूर चली जाती हो ॥
फिर भोर की पहली किरण के आने से।
ऐसा लगता है कि तुम हो ॥

कवि : कमलेश लादेर,
आई पी, तलोजा

हक़ीक़तों के भरोसे

हक़ीक़तों के भरोसे ही रहे , तो अच्छा है ,
वक़्त की थोड़ी चोट ही सहे, तो अच्छा है।

नहीं दरकार हमको राम की ,हमको रहीम की ,
आदमी अगर आदमी ही रहे, तो अच्छा है।

घरों के जलने पर भी जो नम ना हुई...
आँखें ऐसी अगर अंधी ही रहे तो अच्छा है।

हश्र ये है अगर खूँ की रवानगी का ...
तो खूँ , पानी ही रहे तो अच्छा है।

शायद अंधा कर दिया है अधिक उजालों ने,
सूरज में अगर तीरगी ही रहे, तो अच्छा है।

दुनिया की चमक-धमक में ना जा ऐ "रौशन"
इल्म में अगर सादगी ही रहे, तो अच्छा है।

कवि : रौशन आनंद,
ग्रीस प्रभाग, सिलवासा

सड़कें कदमों की जुबां कहती हैं,

सड़कें कदमों की जुबां कहती हैं,
मंज़िलें सफर की दास्ताँ कहती हैं।

माली साथ छोड़ गए बगीचों का,
कलियाँ काँटों को बागबान कहती हैं।

मकानों मे रहनेवालों जरा सुनो,
झोपड़ों के किस्से आंधियाँ कहती हैं।

लोग यूं हीं नासमझ बनते हैं मेरे आगे,
उनकी आँखें लाखों कहानियाँ कहती हैं।

चाँदनी का क्या भरोषा ,आज हो कल नहीं,
रात जुगनुओं को मेहरबान कहती है।

दायरा आसमानों का नापते हो मेरे हुजूर,
ये आँखें अपनी हदों को आसमां कहती हैं।

कितने दूर निकल गए

कितने दूर निकल गये
रिश्तों को निभाते-निभाते
खुद को खो दिया हमने
अपनों को पाते पाते
लोग कहते हैं हम मुस्कुराते बहुत हैं
और हम हार गये दर्द छुपाते-छुपाते
खुश हूँ और सबको खुश रखता
लापरवाह हूँ फिर भी सबकी परवाह करता हूँ
मालूम है कोई मोल नहीं मेरा
फिर भी कुछ अनमोल लोगों से रिश्ता रखता हूँ

कवि : शाश्वत समन्वय
लॉजीस्टिक्स, अंधेरी

राजभाषा हिंदी : राष्ट्रीय अस्मिता और सांस्कृतिक गरिमा

भारतीय उप महाद्वीप एवं भारतवर्ष में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली एवं समझी जाने वाली भाषा का दर्जा देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को प्राप्त है।

जनमानस की भाषा होने के कारण ही भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी हिंदी का प्रमुख स्थान रहा है तथा राष्ट्र को जोश से भर देने एवं स्वतंत्र भारत की अलख जगाने के लिए तमाम लेख, कविताएं एवं समाचार भी हिंदी में ही प्रकाशित होते थे।

इसी योगदान एवं बहुसंख्यक लोगों की भाषा एवं वैज्ञानिक लेखों को ध्यान में रख कर ही संविधान पीठ के द्वारा हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया।

आज अगर हम वर्तमान परिदृष्य में हिंदी के योगदान, स्थिति एवं विकास की बात करें तो हम पाएंगे कि सबसे ज्यादा मीडिया चैनलों एवं सबसे ज्यादा प्रिंट मीडिया का वितरण हिंदी में ही रहा है। भारत द्वारा विश्व में सबसे अधिक चित्रपट / फ़िल्में निर्मित की जाती है और उसमें हिंदी भाषा की फिल्मों का योगदान सबसे ज्यादा है।

आज गूगल जैसी कंपनी भी हिंदी के महत्व को समझ रही है और बहुत से उपयोगी सॉफ्टवेयर का हिंदी प्रारूप बना रही है लेकिन उपरोक्त वाक्यों का महत्व तब उपयोगी एवं उद्येश्य पूर्ण होगा जब हम अपने प्राचीन विचारों एवं ज्ञान को भी हिंदी में लेकर आएं और उसे बहुसंख्यक जनमानस तक पहुँचा सके।

हमारे आयुर्वेद, गणित एवं विज्ञान का अध्ययन भी हिंदी में होना चाहिए। ताकि सरल से सरल विधि से हम अपने इतिहास एवं संस्कृति को समझ एवं आगे ले जा सकें। जब तक हम अन्य देशों जैसे जापान, चीन जर्मनी आदि के जैसे अपनी भाषा को दैनिक उपयोग एवं अस्मिता से नहीं जोड़ेंगे तब तक हमारा पूर्णकालिक, एवं दूरगामी विकास सम्भव नहीं है।

आज हमारी सरकार एवं प्रशासन के द्वारा जो भी कार्य हिंदी के लिए किए जा रहे हैं वह तभी सफल होंगे, जब जनमानस की सक्रिय भागीदारी होगी। यह सत्य हमेशा जीवित रहेगा कि निजभाषा की उन्नति में देश की उन्नति है।

लेखक : शोभित कुमार श्रीवास्तव
ग्रीस प्रभाग, सिलवासा

अवॉर्ड्स & अकोलेड्स

आईपी, तलोजा के लिए पुरस्कार

नवी मुंबई के तलोजा में हमारा औद्योगिक पैकेजिंग (आईपी) संयंत्र भारत के इंटरनेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर मैन्युफैक्चरिंग (आईआरआईएम) द्वारा आयोजित इंडिया ग्रीन मैन्युफैक्चरिंग चैलेंज (आईजीएमसी) 2019-10 में स्वर्ण जीता। आईजीएमसी एक प्रतिष्ठित मंच है जिसमें भारत में शीर्ष विनिर्माण इकाइयों का मूल्यांकन और सराहनीय रूप से मान्यता प्रदान की जाती है। टीम आईपी, तलोजा को बधाई।

एमिटी विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश ने श्री अडिका रत्न शेखर, निदेशक [मा.सं. व सीए] को उद्योग को बढ़ावा देने संबंधी छात्रों को सलाह तथा मार्गदर्शन करने के लिए उनके असाधारण योगदान एवं मान्यता देने हेतु उद्योग एकाडेमिया इंटरफेस पुरस्कार से सम्मानित किया। यह पुरस्कार विश्वविद्यालय द्वारा 10 सितंबर 2020 को आयोजित ई-एचआर कॉन्क्लेव के दौरान दिया गया था।

राजभाषा के निम्न नियम के तहत हिंदी कार्य का अनुपालन

नियम-5	हिंदी में प्राप्त पत्रों का उत्तर हिंदी में दें।
नियम-6	धारा 3(3) में जारी पत्रों को द्विभाषी रूप में जारी करें।
नियम-7	कोई भी कर्मचारी आवेदन/अपील हिंदी/अंग्रेजी में दे सकता है।
नियम-8	कोई भी टिप्पणी हिंदी में दे सकता है उसे दूसरे भाषा के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है जब तक वह नकनीकी प्रकृति का ना हो।
नियम-9	वे कर्मचारी हिंदी में प्रवीणता प्राप्त माने जाएंगे अगर उसने मैट्रिक या उसके समकक्ष या उससे उच्चतर परीक्षा हिंदी के माध्यम से पास की हो। स्नातक या उसके समकक्ष या उससे उच्चतर किसी अन्य परीक्षा मे हिंदी को उसने वैकल्पित विषय के रूप में लिया हो या घोषणा करता है कि उसे हिंदी का ज्ञान है।
नियम-10	वे कर्मचारी हिंदी में कार्यसाधक प्राप्त माने जाएंगे अगर उसे मैट्रिक या उसके समकक्ष या उससे उच्चतर परीक्षा हिंदी विषय से पास की हो या केंद्रीय शिक्षण योजना के तहत प्राज्ञ परीक्षा पास की हो या घोषण करता है कि उसे हिंदी का ज्ञान है।
नियम-10.4	जिन कार्यालय के कर्मचारिवृन्द में 80% कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त हो उन कार्यालयों को राजपत्र में अधिसूचित कर दिया जाता है।
नियम-11	केंद्रीय सरकार के कार्यालयों की निम्नलिखित सामग्री द्विभाषी होने चाहिए यथा-मैनुअल नियम, फार्म, रजिस्टर, नामपट्ट, सूचनापट्ट, पत्रशीर्ष, लिफाफे आदि।
नियम-12	अनुपालन दायित्व कार्यालय प्रभारी का होता है कि वह देखे की नियम व अधिनियम का संचित अनुपालन उसके कार्यालय में हो रहा है या नहीं।

राजभाषा नीति के कार्यान्वयन की दृष्टि से भारत सरकार ने भारतीय राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को तीन भाषिक क्षेत्रों में बांटा है। इन क्षेत्रों में निम्न राज्य आते हैं।

'क क्षेत्र' बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली एवं अंडमान निकोबार द्वीप समूह।

'ख क्षेत्र' गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़, दमन दीव तथा दादर एवं नागर हवेली।

'ग क्षेत्र' वे सभी राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश जो उपर्युक्त 'क' एव 'ख' क्षेत्र में शामिल नहीं है। पश्चिम बंगाल भी 'ग' क्षेत्र में है।

Edited by **Mohar Mukhopadhyay**, Head - Corporate Communications, Balmer Lawrie & Co. Ltd.

Designed by Semaphore Technologies Pvt. Ltd., Kolkata.

हिंदी पखवाड़ा के अवसर पर पूर्वी क्षेत्र में आयोजित हिंदी स्लोगन प्रतियोगिता के प्रथम तीन विजेताओं द्वारा लिखे गए स्लोगन

हिंदी है हमारी शान, देश का है ये अभिमान
हिंदी का सब करे सम्मान, ये है संस्कृतियों की खान
भाषाओं में है ये महान, भारत की है ये पहचान

सुश्री श्वेता चंद्रिका

हिंदी की है सुंदर परिभाषा
अपने देश की है ये राजभाषा

सुश्री कविता भावसार

हिंदी की भविष्य से ना करो खिलवाड़
करो हिंदी का सम्मान और बढ़ाओ देश का मान

श्रीमती मृगशिखा मित्रा बनर्जी

This House Journal contains information relating to Balmer Lawrie and is published for circulation amongst its employees. This has no commercial value and is not sold to the public